9 विश्व हिन्दी सम्मेलन

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

संदेश

अपार हर्ष की बात है कि 9वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन 22-24 सितंबर, 2012 तक जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है।

वर्ष 1975 में नागपुर से आरंभ हुई विश्व हिंदी सम्मेलनों की यह यात्रा मॉरीशस, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, यूनाइटेड किंगडम, सूरीनाम और संयुक्त राज्य अमरीका होते हुए अब जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका आ पहुंची है। चार दशकों से भी अधिक समय से चल रही इस लंबी यात्रा से विश्व हिंदी सम्मेलनों की परम्परा को एक वैश्विक पहचान तथा गति मिली है। इन सम्मेलनों ने हमेशा ही प्रख्यात विद्वानों तथा हिंदी के समर्थकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। यह विश्व में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता का भी सबूत है।

जोहान्सवर्ग, जहाँ 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया जाना है, का एक विशेष ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि यही वह स्थान है, जहां से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अहिंसा एवं सत्याग्रह के सिद्धांतो का प्रतिपादन किया, जो हमारे स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणा स्रोत बने। समय के साथ, विश्वभर में यह महसूस किया गया कि ये सिद्धांत मानव समाज में शांति, प्रगति तथा विकास के लिए हमेशा प्रासंगिक बने रहेंगे।

9वें विश्व हिंदी सम्मेलन में हिंदी से जुड़े श्रेण्य तथा आधुनिक दोनों पहलुओं से संबंधित विभिन्न पारम्परिक तथा समकालीन विषयों पर विचार किया जाएगा। विगत की भांति ही, यह सम्मेलन भी विश्व भर के विद्वानों को एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा, जहां वे इस प्रक्रिया को और समृद्ध बनाने के लिए अपने बहुमूल्य विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

जोहान्सबर्ग में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

मनमोहन सिंह

(मनमोहन सिंह)